भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 555

12.04.2017 को दिया जाने वाला उत्तर

समेकित कोच कारखाना

***555. श्रीमती वी. सत्यबामा:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा चेन्नै स्थित समेकित कोच कारखाना (आईसीएफ) को स्वायत्तता प्रदान करने तथा अत्याधुनिक कोचों के निर्माण के लिए उसे अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) आईसीएफ की कुल विनिर्माण-क्षमता कितनी है और भारत से रेल कोचों के निर्यात की स्थिति में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल मंत्री (श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु)

(क) और (ख) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

समेकित कोच कारखाने के संबंध में 12.04.2017 को लोक सभा में श्रीमती वी. सत्यबामा द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं.555 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): फिलहाल, सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै को स्वयात्तता प्रदान करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। बहरहाल, सभी निर्माण कार्यों और भंडार निविदाओं को स्वीकार करने के लिए महाप्रबंधकों को संपूर्ण शक्तियां प्रत्यायोजित कर दी गई हैं। प्रौद्योगिकी का विकास करना एक सतत प्रक्रिया है अर्थात उच्चतर गति संभावना वाले नए डिज़ाइन के लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बे, बेहतर ढंग से आरामदायक यात्रा और उन्नत संरक्षा विशिष्टताएं भारतीय रेलवे पर शुरू की गई हैं। सवारी डिब्बा कारखाना, (आईसीएफ) चेन्नै में पूरी तरह से एलएचबी कोच विनिर्माण हेतु आधुनिकीकरण कार्य करने के लिए वर्ष 2017-18 में 199.8 करोड़ रुपए का परिव्यय मुहैया कराया गया है। साथ ही, सवारी डिब्बा कारखाना, (आईसीएफ) चेन्नै के 2017-18 के उत्पादन कार्यक्रम में दो सेमी हाई स्पीड मल्टीपल यूनिट ट्रेन सैट शामिल किए गए हैं जो शीघ्रता से गति पकड़ने वाले हैं और इनमें अद्यतन समकालीन यात्री सुविधाएं हैं जैसे ऑनबोर्ड सूचना एवं मनोरंजन और यात्री सूचना प्रणाली, रिट्रस्टेबल कोच फुटस्टेप वाले ऑटोमेटिक दरवाजे और जीरो डिस्चार्ज वैक्यूम आधारित जैव-शौचालय आदि।

(ख): आईसीएफ की मौजूदा विनिर्माण क्षमता 1700 सवारी डिब्बे प्रति वर्ष है। रेल सवारी डिब्बों सहित चल स्टॉक के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय रेलों की उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अपने उत्पाद की कीमतें निर्धारित करने के लिए शक्तियां प्रत्यायोजित की गई हैं। इसके अलावा, भारत सरकार ने कूटनीतिक पहुंच के भाग के रूप में विभिन्न देशों के लिए आकर्षक शर्तों पर ऋण व्यवस्था शुरू की है, जिसमें भारत से रेल सवारी डिब्बे खरीदना शामिल है। भारतीय रेलवे, रेल इंडिया टेक्नीकल एंड इकॉनोमिक सर्विस (राइट्स) के जरिए अपना विपणन कार्य करता है। इसके साथ-साथ समय-समय पर वैश्विक बाज़ार में यथा आमंत्रित रेल सवारी डिब्बों हेतु प्रापण निविदाओं में भी भाग लेता है।

******